साप्ताहिक

बुलंद गोंदिया

खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | R. No.: **MAH-HIN-10169**

वर्ष : 1 | अंक : 48 — गोंदिया : गुरुवार, 8 से 14 जुलाई 2021 — पृष्ठ : 4 — मूल्य : रु. 5

मार्केटिंग फेडरेशन कार्यालय को भाजपा ने ठोका ताला

सरकार के पास किसानों को बोनस देने नहीं है पैसे । कार्यालय को बेचकर दिया जाएगा बोनस – विधायक फुके

भंडारा – धान उत्पादक किसानों की बोनस राशि, रबी धान की पूरा खरीदी करने की मांगों को लेकर भारतीय जनता पार्टी द्वारा शुक्रवार २ जुलाई को भंडारा के जिला मार्केटिंग फेडरेशन के कार्यालय को ताला लगाया गया। उपरोक्त आंदोलन का नेतृत्व पूर्व मंत्री व विधायक डॉ.परिणय फुके, सांसद सुनील मेंडे, जिलाध्यक्ष शिवराम गिरिपुंजे व किसान आघाड़ी के जिला अध्यक्ष अविनाश ब्राम्हणकर के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर परिणय फुके ने कहा कि यदि सरकार के पास किसानों को बोनस की राशि देने के लिए निधि नहीं है, तो कार्यालय को बेचकर किसानों को बोनस दिया जाए। धान उत्पादन के लिए पहचाने जाने वाले जिले के किसानों के अनेक प्रश्न प्रलंबित है, लेकिन शासन द्वारा उस पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया जा रहा है। जिसके चलते भाजपा द्वारा आंदोलन का निर्णय लिया किसानों के धान के बकाया बोनस के पूरे पैसे जल्द से जल्द देने, धान की मिलिंग तत्काल किए जाने व शेष धान की खरीदी करने की मांग को लेकर आंदोलन किया गया। जिसमें मार्केटिंग फेडरेशन कार्यालय में ताला लगाने के पश्चात जिलाधिकारी कार्यालय तक मोर्चा निकाला गया। मार्केटिंग फेडरेशन के कार्यालय को लगाए गए ताले की चाबी जिलाधिकारी के सुपुर्द की गई। यदि शासन के पास किसानों को बोनस की राशि देने के लिए पैसा नहीं है तो कार्यालय को बिक्री कर किसानों को बोनस देने की मांग जिलाधिकारी से की गई। जब तक किसानों की मांग पूरी नहीं होती भाजपा द्वारा आंदोलन कर लड़ाई की जाएंगी तथा वह सब किसानों के साथ मजबूती से खड़े हैं।

इस अवसर पर सांसद सुनील मेंडे ने कहा कि किसानों को दिशा भ्रमित कर राजनीति नहीं की जा सकती। यदि किसानों को जब आवश्यकता हो तो उस समय यदि मदद नहीं दी जा सकती तो किसान नेता कहलाने का अधिकार नहीं है। राज्य की सरकार सभी मोर्चों पर असफल साबित हो रही है। यदि समस्या का हल जल्द से जल्द नहीं हुआ तो भविष्य में और तेज आंदोलन किया जाएगा।

उपरोक्त आंदोलन में किसान आघाडी के जिल्हाध्यक्ष अविनाश ब्राम्हणकर, पूर्व खासदार शिशुपाल पटले, ब्रम्हानंद करंजीकर, नेपाल रंगारी, संजय कुंभलकर, राजेश बांते, जिल्हा महामंत्री हेमंत देशमुख, चैतन्य उमाळकर, विलास काटेखाये, प्रदीप पडोळे, महेंद्र निंबार्ते, विनोद बांते, मधुरा मदनकर, साधना त्रिवेदी सहित अनेक भाजपाई कार्यकर्ता, पदाधिकारी व किसान भाई उपस्थित थे।

राजेश खवले जैसे सकारात्मक विचारों वाले जिलाधिकारी गोंदिया के लिए गौरव - सुनील अग्रवाल

जिलाधिकारी जैसे जिले के प्रमुख पद पर यदि अधिकारी सकारात्मक विचारों के साथ कार्य करें तो जिले के विकास के साथ-साथ वह जिले के लिए गौरव का विषय होता है। गोंदिया जिले के प्रभारी जिलाधिकारी के रुप में राजेश खवले द्वारा पदभार संभालते ही एक महिने में अपनी सकारात्मक ऊर्जा का परिचय देकर तत्काल निर्णय लेते हुए जरुरतमंद बेसहारा नागरिकों व प्रशासकीय कार्य में जिस प्रकार निर्णय लिया है, उससे जिले के विकास कार्यों व नागरिकों की समस्याओं का समाधान तत्काल हो रहा है। जिनके द्वारा जरुरतमंद असहाय नागरिकों से प्रत्यक्ष भेंट करने का सिलसिला निरंतर चल रहा है। जिससे जिले के पूरे प्रशासन में एक नई ऊर्जा का संचार हुआ है। इस प्रकार के ऊर्जावान जिला अधिकारी के रुप में राजेश खवले गोंदिया के लिए गौरव बन चुके है। इस प्रकार के विचार अध्यक्ष दुर्गा समिति गांधी प्रतिमा के सुनील अग्रवाल द्वारा व्यक्त करते हुए जिला अधिकारी के कार्यों के लिए शुभकामना दी।

लोकतंत्र की हत्या कर रही महाराष्ट्र की तिकड़ी सरकार

जनप्रतिनिधियों की आवाज दबाने विधायकों का किया निलंबन - विधायक विजय रहांगडाले

गोंदिया – महाराष्ट्र की शिवसेना, राष्ट्रवादी कांग्रेस व कांग्रेस की तिकड़ी सरकार लोकतंत्र की हत्या कर रही है। एक तो अधिवेशन मात्र २ दिनों का रखा, उस पर विरोधी पक्ष के जनप्रतिनिधियों की आवाज दबाने सत्ता का दुरुपयोग कर १२ विधायकों को निलंबित किया गया। इस प्रकार का आरोप गोंदिया जिले के एकमात्र भाजपा विधायक विजय रहांगडाले द्वारा राज्य सरकार पर लगाया गया।

गौरतलब है कि राज्य का मानसून अधिवेशन ५ जुलाई को आयोजित किया गया था। जिसमें विरोधी पक्ष के विधायकों द्वारा रखे गए प्रश्नों पर ना तो चर्चा की गई और ना ही सरकार उनके आवाज सुनने को तैयार है। इस संदर्भ में जब भाजपा विधायक दल विधानसभा अध्यक्ष के पास पहुंचा तो विधायकों पर अभद्रता का आरोप लगाते हुए १ वर्ष के लिए आशीष शेलार, अभिमन्यु पवार, गिरीश महाजन, पराग अलवनी, राम सातपुते, नारायण कुटे, अतुल भातखडकर, जयकुमार रावल, हरीश पिपले, संजय कुटे, कीर्तिकुमार भांगड़िया, योगेश सागर इन १२ विधायकों को निलंबित कर लोकतंत्र की हत्या की है। ओबीसी के मुद्दे पर विपक्ष द्वारा चर्चा किए जाने की मांग की गई, लेकिन उसे मंजूर नहीं किया गया।

विशेष है कि सभी विधायक अपने अपने क्षेत्र के लाखों लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं, उनकी आवाज को दबाने का कार्य किया है। सिर्फ मंत्री द्वारा ही प्रस्ताव रखा गया। जिस पर विपक्ष द्वारा चर्चा की विनंती किए जाने पर मान्य नहीं किया गया। वर्तमान तिकड़ी सरकार सिर्फ पैसा कमाने व समय व्यतीत करने का कार्य कर रही है। उन्हें आम नागरिकों के हितों की किसी भी प्रकार की चिंता नहीं है। विधायकों के निलंबन के संदर्भ में विधायक विजय रहांगडाले ने कहा कि सभी विधायक राज्यपाल से इसकी शिकायत करने गए हैं, फिर भी यदि मांग पूरी नहीं हुई तो पार्टी के दिशा निर्देश अनुसार न्यायालय की शरण ली जाएंगी। सत्ताधारी दल द्वारा विपक्ष की आवाज को दबाने के लिए इस प्रकार का कार्य किया जाना, यह लोकतंत्र के लिए काला दिवस साबित हो रहा है। राज्य में ओबीसी समाज का राज्य की आरक्षण तिकड़ी सरकार की गलत नीति से रद्द हुआ है। जिसका जवाब उन्हें जनता को देना होगा।

उपरोक्त आंदोलन में किसान आघाडी के जिल्हाध्यक्ष अविनाश ब्राम्हणकर, पूर्व खासदार शिशुपाल पटले, ब्रम्हानंद करंजीकर, नेपाल रंगारी, संजय कुंभलकर, राजेश बांते, जिल्हा महामंत्री हेमंत देशमुख, चैतन्य उमाळकर, विलास काटेखाये, प्रदीप पडोळे, महेंद्र निंबार्ते, विनोद बांते, मधुरा मदनकर, साधना त्रिवेदी सहित अनेक भाजपाई कार्यकर्ता, पदाधिकारी व किसान भाई उपस्थित थे।

महाविकास आघाडी सरकार का पुतला जलाकर भाजपा ने किया निषेध

गोंदिया – ओबीसी समाज के राजकिय आरक्षण व मराठा आरक्षण के संदर्भ में विधानसभा में सरकार की नाकाबिलियत दिखाए जाने के चलते सरकार द्वारा झूठे आरोप लगाकर भाजपा के १२ विधायकों का निलंबन किया। जिसका निषेध कर मंगलवार ६ जुलाई को भाजपा द्वारा काले फीते लगाकर महाविकास आघाडी सरकार के पुतले का दहन कर निषेध व्यक्त करते हुए आंदोलन किया तथा निवेदन दिया गया। जिसमें कहा गया कि विधायकों का निलंबन तत्काल वापस लिया जाए व आरक्षण के मुद्दे पर सरकार भाजपा की भूमिका का सामना करने की हिम्मत दिखाए। उपरोक्त आंदोलन पूर्व विधायक रमेशभाई कुथे के नेतृत्व में किया गया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्य की वसूली सरकार की नाकाबिलियत के चलते ओबीसी आरक्षण खत्म हुआ है। आरक्षण पुन: मिलने तक भारतीय जनता पार्टी संघर्ष करती रहेंगी। ओबीसी के आरक्षण के मुद्दे पर भाजपा की आक्रामकता पर सरकार सामने आने की हिम्मत नहीं कर रही है। महावसूली सरकार तानाशाही करते हुए सभागृह में ओबीसी आरक्षण की आवाज को दबाने के लिए १२ विधायकों का निलंबन किया जाना यानी लोकतंत्र की हत्या है। ठाकरे सरकार ओबीसी को आरक्षण देने की इच्छुक नहीं है। वह सिर्फ समय निकालकर ओबीसी समाज के साथ धोखाधड़ी कर रही है। जिसके चलते केंद्र से इम्पिरिकल डाटा मांगने के नाम पर विधानसभा में नाम मात्र का प्रस्ताव रखने के सरकार का दांव दिखाई देने पर भाजपा द्वारा वैधानिक तरीके से सभागृह में आवाज ना उठाया जाए इसके लिए यह लोकतंत्र के विरुद्ध कार्रवाई की गई। ऐसा आरोप उन्होंने सरकार पर लगाया। साथ ही कहा कि ओबीसी आरक्षण के लिए सर्वोच्च न्यायालय के दिए गए दिशा निर्देशानुसार आवश्यक जानकारी तैयार करना होगा तथा पिछड़ा वर्ग आयोग की नियुक्ति करने पर ही इस प्रकार की जानकारी तैयार की जा सकती है, ऐसा स्पष्ट किया है।

इस संदर्भ में केंद्र सरकार के तरफ प्रस्ताव भेज कर ठाकरे सरकार केवल समय व्यतीत ही कर रही है। साथ ही उन्होंने कहा कि ठाकरे सरकार की नाकाबिलियत के चलते खत्म हुए ओबीसी आरक्षण के पुन: मिलने तक भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता संघर्ष करेगा। आयोजित आंदोलन के दौरान जिल्हा महामंत्री संजय कुलकर्णी, दीपक कदम, संजय टेंभरे, ठाकरे, नप सभापती बंटी पंचबुद्धे, प्रकाश रहमतकर, कृषिकांत साहू, अशोक हरिणखेडे, गजेंद्र फुंडे, गुड्डू कारडा, मनोज मेंढे, अर्जुन नागपुरे, बाबा बिसेन, शंभूशरणसिंग ठाकूर, वजीर बिसेन, धर्मेंद्र डोहरे, नेत्रदीप गावंडे, पुरुषोत्तम ठाकरे, टिंगू अग्रवाल, सुशील राऊत, अंकित जैन, मनोज पटनायक, राजेश बिसेन, टेकचंद रहिले आदी पदाधिकारी, कार्यकर्ता सहभागी थे।

रेलवे पदचारी पुल शुरु होने से शहरवासियों को मिली राहत

रेलवे सलाहकार समिति ने दिया था ज्ञापन

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे सलाहकार समिति गोंदिया की ओर से रेलवे मंत्रालय को विविध समस्याओं का ज्ञापन दिया गया था। जिसमें प्रमुख रुप से गोंदिया रेलवे से संबंधित यात्रियों को होने वाली असुविधाओं को तत्काल कार्यवाही कर सुचारु रुप से क्रियान्वित करने, शहर के मेन मार्केट टिकट घर से रेलटोली की ओर जाने वाला पदचारी पुल शुरु कर नागरिकों को सुविधा देने की मांग का समावेश था। इस विषय में उचित कार्रवाई कर विगत ८ महीनों से बंद पुल पूर्ववत शुरु करने के लिए रेलवे प्रशासन द्वारा अब मान्यता प्रदान की गई है। पदचारी पुल शुरु होने से शहर के नागरिकों एवं यात्रियों को असुविधाओं का सामना नहीं करना पड़ेगा। रेलवे के अरविंद साहू, प्रबंधक की उपस्थिति में रेलवे विभाग को आभार पत्र दिया गया। रेलवे विभाग के इस निर्णय के लिए दपूमरे रेलवे सलाहकार समिति गोंदिया के सूरज नशीने, दिव्या भगत पारधी, लक्ष्मण लधानी, राजेंद्र कावडे, हरीश अग्रवाल, अखिल नायक, मंडल रेलवे उपभोक्ता सलाहकार समिति गुड्डु चंदवानी, सीए सुनील चावला, अविनाश जयसिंघानी ने आभार माना।

हिरवल बहुउद्देशीय संस्था द्वारा पौधों का निशुल्क वितरण

गोंदिया – पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण आवश्यक है। जिसके लिये गोंदिया की हिरवल बहुउद्देशीय संस्था द्वारा जयस्तंभ चौक पर विभिन्न प्रजातियों के पौधों का निशुल्क वितरण नवेगांव, नागझीरा टायगर रिजर्व क्षेत्र के संचालक रामानुजम व पार्षद जितेंद्र (बंटी) पंचबुद्धे के हस्ते किया गया। इस अवसर पर करीब १५० पौधों का वितरण किया गया। जिसमें बड़, पीपल, जामुन, नीम, कदम, निंबू, गुलमोहर, बेल, अशोक और सीताफल के पौधों का समावेश है। उपरोक्त कार्यक्रम संस्था अध्यक्ष रुपेश निबांरते, सदस्य आशीष ठकरानी, विक्की सहारे, स्वप्निल ढबाले, पंकज नंदनवार, गौरव बेलगे, छत्रपाल चौधरी, विशाल चचाने, शुभम निपाने, रोहित सोनवाने, जिग्नेश जोशी, पंकज यादव, रजत चतुर्वेदी द्वारा सफलतापूर्वक किया गया। संस्था द्वारा जानकारी दी गई कि यह उपक्रम आगे भी निरंतर चलता रहेगा।

गोंदिया शहर के दोहरे हत्याकांड का आरोपी सूरत गुजरात से गिरफ्तार

गोंदिया शहर के रावण मैदान सिंधी कॉलोनी निवासी राम गोपलानी के निर्माणाधीन मकान में २५ जून की सुबह ७ बजे के दौरान दोहरा हत्याकांड घटित हुआ था। जिसका आरोपी बलवान श्रीनिवास राजभर उर्फ राय (३६) वर्ष निवासी रतनपुरा अर्जुन पुलिस स्टेशन वाल्टरगंज जिला बस्ती उत्तरप्रदेश को गोंदिया पुलिस के विशेष पथक द्वारा सूरत से गिरफ्तार किया गया।

गौरतलब है कि गोंदिया शहर के रावण मैदान सिंधी कॉलोनी निवासी राम गोपलानी के निर्माणाधीन मकान में २५ जून की सुबह ७ बजे के दौरान दोहरा हत्याकांड घटित हुआ था। जिसमें निरंजन हरिचरण भारती (३८) निवासी नेवादा पुलिस स्टेशन वाल्टरगंज जिला बस्ती उत्तरप्रदेश व अमन कुमार नंदलाल भारती (२०) निवासी रतनपुरा अर्जुन जिला बस्ती उत्तरप्रदेश की जधन्य हत्या उनके ही साथी बलवान श्रीनिवास राजभर उर्फ राय निवासी रतनपुरा अर्जुन जिला बस्ती उत्तरप्रदेश द्वारा हत्या कर फरार हो गया था। उपरोक्त मामले में गोंदिया शहर पुलिस थाने में आरोपी के खिलाफ भादवि की धारा ३०२ के तहत मामला दर्ज कर मामले की जांच पुलिस निरीक्षक महेश बनसोडे कर रहे थे।

उपरोक्त मामले में आरोपी की तलाश के लिए जिला पुलिस अधीक्षक व वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में गोंदिया शहर पुलिस थाना व लोकल क्राइम ब्रांच के अधिकारियों व कर्मचारियों के विशेष पथक तैयार कर विभिन्न स्थानों पर भेजा गया। जिसमें गुप्त जानकारी व तकनीकी जानकारी की सहायता से आरोपी बलवान राजभर को गुजरात के सुरत शहर से १ जुलाई २०२१ को गिरफ्तार कर गोंदिया लाकर न्यायालय में पेश किया गया। न्यायालय द्वारा आरोपी को ५ जुलाई तक पुलिस हिरासत में भेजा गया। पुलिस द्वारा पूछताछ में आरोपी द्वारा हत्या का जुर्म कबूल किया गया। इस संदर्भ में आगे की जांच पुलिस द्वारा की जा रही है।

उपरोक्त कार्रवाई पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे, अपर पुलिस अधीक्षक अशोक बनकर, उपविभागीय पोलीस अधिकारी जगदीश पांडे के मार्गदर्शन में शहर पुलिस निरीक्षक महेश बनसोडे, लोकल क्राइम ब्रांच के निरीक्षक बबन अवाड, सपोनि भुजबल, सपोनि सागर पाटील, सपोनि संतोष सपाटे, सफौ घनश्याम थेर, पोना सुबोध बिसेन, ओमेश्वर मेश्राम, जागेश्वर ऊईके, संतोष बोपचे, प्रमोद चौहान, योगेश बिसेन, सतीश शेंडे, दीपक रंहागडाले, संतोष भंडारकर, पोशि छगन विले, विकास वेदक तथा लोकल क्राइम ब्रांच के सपोनि विजय शिंदे, सफौ लिलेंद्र बैस, पोहवा राजेंद्र मिश्रा, पोना महेश मैहर, पोशि विजय मानकर तथा सायबर शाखा के पोना दीक्षित कुमार दमाहे, प्रभाकर पालांदुरकर, धनंजय सेंडे, संजय महारवाडे, विनोद बरैया, मोहन शेंडे ने सहयोग किया।

संपादकिय

गुमराह होती मासुमियत

मां-बाप यह देखते हैं कि बच्चा अपने कमरे में मोबाइल के साथ है, लेकिन मोबाइल की उस खिड़की से कूदकर वह इंटरनेट की दुनिया में कहां पहुंचा हुआ है, इसका उन्हें अक्सर अंदाजा भी नहीं होता।

छत्तीसगढ़ में १२ साल के एक लड़के ने अपनी टीचर मां के बैंक अकाउंट से ३.२ लाख रुपये ऑनलाइन गेम के हथियार खरीदने पर खर्च कर दिए और मां को भनक तक नहीं लगी। जब अकाउंट से ३.२ लाख रुपये निकल जाने का अहसास हुआ, तब भी उन्होंने यही सोचा कि वह किसी ऑनलाइन फ्रॉड का शिकार हुई हैं। पुलिस ने ही प्राथमिक छानबीन के बाद सलाह दी कि वह अपने १२ साल के बेटे से पूछ कर देखें। जब बेटे से पूछा गया तो सारा राज बाहर आ गया। हालांकि बच्चों का मोबाइल में व्यस्त रहना और ऑनलाइन गेम्स खेलते रहना इतना आम हो गया है कि इसमें खास चौंकाने वाली कोई बात नहीं दिखती। लेकिन मासूम सी लगने वाली यह लत कितनी खतरनाक हो सकती है और इसके कैसे भयावह दुष्परिणाम झेलने पड़ सकते हैं, वह इस घटना से साफ होता है।

एकल परिवारों में अपनी दिनचर्या और काम की जिम्मेदारियों में फंसे मां-बाप बच्चों के लिए वक्त निकालने में अपनी असमर्थता की भरपाई मोबाइल से करने के आदी होते जा रहे हैं। नतीजतन बहुत कम उम्र में ही

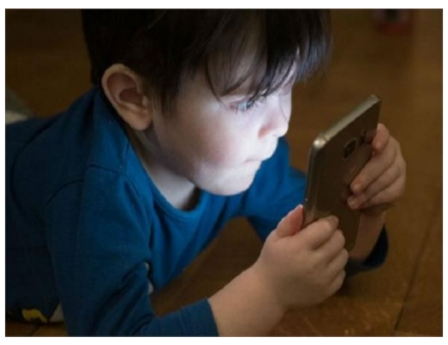

बच्चों के हाथों में मोबाइल पहुंच जाता है। इंटरनेट का इंद्रजाल उन्हें मोहित करता है और वे मां-बाप, भाई-बहन, नाते-रिश्तेदारों के संग-साथ की कमी ऑनलाइन गेम जैसे आसानी से उपलब्ध साधनों से पूरी करना सीख जाते हैं। लेकिन यहां कोई ऐसा नहीं होता जो उन्हें इसकी हदें बताए और इन हदों से आगे निकलने के खतरे समझाए। मां-बाप यह देखते हैं कि बच्चा अपने कमरे में मोबाइल के साथ है, लेकिन मोबाइल की उस खिड़की से कूदकर वह इंटरनेट की दुनिया में कहां पहुंचा हुआ है, इसका उन्हें अक्सर अंदाजा भी नहीं होता।

तमाम अध्ययनों की रिपोर्ट पहले से बताती रही हैं कि कम उम्र में मोबाइल के ज्यादा इस्तेमाल से बच्चों की उंगली, उनके पूरे शरीर और मन-मिजाज पर कितना बुरा असर पड़ता है। कोरोना और लॉकडाउन के चलते स्कूल-कॉलेजों की बंदी ने जहां एक तरफ उन्हें पहले से ज्यादा अकेला कर दिया है, वहीं मोबाइल के साथ ज्यादा समय बिताने की मजबूरी बढ़ा दी है। जो पैरेंट्स पहले बच्चों को मोबाइल पर बिजी देखकर असहज होते थे, वे भी अब इसे सहज मानने लगे हैं। लेकिन मौजूदा माहौल से उपजी मजबूरियों के बावजूद इसके खतरे कम नहीं हुए हैं। गेम के लिए हथियार खरीदना तो ऐसे खतरों का सिर्फ एक उदाहरण है। ब्लू व्हेल जैसे किसी घातक गेम का हिस्सा बनना और आतंकवादी तत्वों के बिछाए किसी जाल में फंसना भी इसका उतना ही स्वाभाविक प्रतीत होने वाला नतीजा हो सकता है। यही नहीं, वे फिशिंग का भी शिकार हो सकते हैं। इसलिए पैरेंट्स को बच्चों की मोबाइल गतिविधियों को लेकर ज्यादा सतर्क होना होगा।

मानसुन सत्र में जनहित में लिए गए निर्णयों की संतुष्टि - मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे

दोनों सदनों में नौ विधेयक पारित

मुंबई - मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने विधान सभा के आयोजन के बाद आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वह संतुष्ट हैं कि भले ही मानसून सत्र की अवधि केवल दो दिन थी, लेकिन वह लोगों के हित में काम करने में सक्षम थे। इस सत्र में दोनों सदनों ने ९ विधेयक पारित किए। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री अजीत पवार, राजस्व मंत्री बालासाहेब थोरात, संसदीय कार्य मंत्री अनिल परब और राज्य मंत्री संजय बंसोडे उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री एवं उपमुख्यमंत्री ने इस दो दिवसीय सम्मेलन में निम्न गतिविधियों की जानकारी दी

१. मराठा आरक्षण के लिए पचास प्रतिशत की सीमा में छूट देने के लिए केंद्र सरकार को सिफारिश करने वाला एक प्रस्ताव
२. ओबीसी आरक्षण के लिए केंद्र सरकार से इंपीरियल डेटा प्राप्त करने का संकल्प
३. २०१४ के ईएसबीसी उम्मीदवारों को बड़ी राहत। अस्थाई नियुक्तियां, आयु सीमा में वृद्धि
४. जल्द ही महाराष्ट्र आयोग के माध्यम से कक्षा एक और कक्षा दो के १५ हजार ५११ पद भरे जाएंगे और ३१ जुलाई तक आयोग के सदस्यों के रिक्त पदों को भरा जाएगा
५. केंद्र सरकार ने किसान कानूनों में संशोधन कर पेश किया नया बिल
६. स्वास्थ्य विभाग को प्राथमिक अनुदान (पूरक मांगें)
७. कैकडी समुदाय को अनुसूचित जाति में शामिल करने का संकल्प
८. टीकाकरण के लिए केंद्र से प्रतिमाह ३ करोड़ अतिरिक्त डोज लेने का संकल्प

ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने के लिए २३ हजार १४९ करोड़ की अनुपूरक मांग, सबसे ज्यादा फंड

उच्चतम अनुपूरक मांग ३ हजार ६४४ करोड़ ३० लाख ५७ हजार रुपये लोक स्वास्थ्य विभाग के लिए स्वीकृत की गई है।

सरकार ने कोरोना की संभावित तीसरी लहर को देखते हुए ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने को प्राथमिकता दी है। जन स्वास्थ्य विभाग को अनुपूरक मांग को मंजूरी देते समय इस पर विशेष ध्यान दिया गया है।

स्वास्थ्य विभाग की अनुपूरक मांग में अहम बिंदु पद

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के लिए ३१० एंबुलेंस (४७ करोड़ ५६ लाख ५० हजार)

महात्मा ज्योतिबा फुले जन आरोग्य और प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (२७२ करोड़ ५२ लाख)

कोरोना मरीजों के लिए आवश्यक दवाओं की खरीदी (१२२२ करोड़ ४४ लाख ५० हजार)

आपातकालीन चिकित्सा सेवा योजना पर एम्बुलेंस व्यय, राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के कार्यान्वयन के लिए केंद्र सरकार से ६० प्रतिशत हिस्सा, राज्य का ४० प्रतिशत हिस्सा, शिशु मृत्यु दर में कमी के लिए प्रोत्साहन सहायता अनुदान, राष्ट्रीय वृद्धावस्था स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम के तहत अनुदान मेडिकल कॉलेज, जे.पी. अस्पताल की फंडिंग

मानदेय और संविदा चिकित्सा अधिकारियों पर संविदा सेवा पर होने वाले खर्च को कवर करने के लिए निधि साथ ही लोक निर्माण, जलापूर्ति एवं स्वच्छता, सामाजिक न्याय, उद्योग, ऊर्जा एवं श्रम, सहकारिता-विपणन, चिकित्सा शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, आवास, शहरी विकास सहित २८ विभागों की अनुपूरक मांगों को मंजूरी दी गयी। संजय गांधी निराधार योजना, कृष्ण राहत आदि सहित अन्य सामाजिक न्याय योजनाओं के लिए धन उपलब्ध कराया गया है।

केंद्र सरकार के ३ कृषि अधिनियम में महाराष्ट्र राज्य का संशोधन किसानों के हितों से नहीं होगा समझौता

१. किसान उत्पाद व्यापार और व्यापार संवर्धन और सुविधा अधिनियम, २०२०
२. किसान (सशक्तिकरण और संरक्षण) सुनिश्चित मूल्य और कृषि सेवा समझौता अधिनियम, २०२०
३. दो आवश्यक वस्तु (संशोधन) अधिनियम, २०२० क्रमश: कृषि विभाग और खाद्य और नागरिक आपूर्ति विभाग से संबंधित है।

इन तीन केंद्रीय कानूनों में संशोधन कर विधेयक पेश किए गए हैं। हम ऐसा कोई भी फैसला लेंगे जिससे राज्य के किसानों के हितों को नुकसान पहुंचे।

हमारे संशोधित विधेयक में निम्नलिखित अत्यंत महत्वपूर्ण संशोधन हैं

१. किसान उत्पाद व्यापार और व्यापार संवर्धन और सुविधा अधिनियम, २०२०

बड़े पूंजीपतियों और कॉरपोरेट खुदरा विक्रेताओं द्वारा किसानों के साथ धोखाधड़ी और उत्पीड़न की उच्च संभावना को ध्यान में रखते हुए, व्यापारी के लिए सक्षम प्राधिकारी से अंतर-राज्य और अंतर-राज्य अनुसूचित वस्तुओं में व्यापार या सौदा करने के लिए लाइसेंस प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

किसानों और व्यापारियों के बीच विवादों को सुलझाने के लिए निकटतम अपीलीय प्राधिकारी से अपील करने का प्रावधान किया गया है।

किसान को प्रताड़ित करने का दोषी पाये जाने पर कम से कम तीन वर्ष कारावास या कम से कम ५ लाख रुपये जुर्माने का प्रावधान किया गया है।

यह एक किसान के उत्पीड़न को भी परिभाषित करता है और यह निर्धारित करता है कि यदि किसान के माल की खरीद या बिक्री की प्राप्ति के बाद सात दिनों के भीतर भुगतान नहीं किया जाता है, तो इसे उत्पीड़न के अपराध के रुप में पंजीकृत किया जाएगा।

राज्य सरकार को राजपत्र में जारी अधिसूचना को इस अधिनियम के प्रावधानों के संबंध में नियम बनाने का अधिकार है।

२. किसान (सशक्तिकरण और संरक्षण) सुनिश्चित मूल्य और कृषि सेवा समझौता अधिनियम, २०२०

किसानों की शिकायतों के शीघ्र निस्तारण के लिए न्यासाठी अपीलीय अधिकारियों एवं सक्षम अधिकारियों को परिभाषित किया गया है, जिसके अनुसार मूल केन्द्रीय शासन अधिनियम के अनुसार उपखण्ड अधिकारियों के स्थान पर राज्य सरकार द्वारा सक्षम अधिकारियों की नियुक्ति की जायेगी।

केंद्र सरकार अधिनियम एमएसपी के लिए प्रदान नहीं करता है। इस संशोधन में एमएसपी का प्रावधान किया है।

किसान और ठेकेदार कंपनी (प्रायोजक) के बीच आपसी सहमति से फसल की बिक्री या खरीद का समझौता न्यूनतम आधार मूल्य से कम कीमत पर दो साल की अवधि के लिए किया जाएगा।

३. आवश्यक वस्तु (संशोधन) अधिनियम, २०२०

आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत, केंद्र सरकार अनाज, दाल, आलू, प्याज, खाद्य तिलहन और खाद्य तेलों को केवल असाधारण परिस्थितियों जैसे युद्ध, सूखा, असाधारण मूल्य वृद्धि और गंभीर प्राकृतिक आपदाओं में विनियमित करने में सक्षम थी।

इस मद पर स्टॉक प्रतिबंध लगाने का निर्णय एकमात्र असाधारण मूल्य वृद्धि के आधार पर लिया जाएगा।

यह राज्य सरकार को कोई अधिकार नहीं देता है। इसलिए, केंद्र सरकार के साथ राज्य सरकार के पास आवश्यक वस्तु अधिनियम में उपरोक्त आवश्यक वस्तुओं को विनियमित करने के साथ-साथ आवश्यक वस्तुओं पर स्टॉक प्रतिबंध लगाने की शक्ति होगी, इस विधेयक के माध्यम से राज्य सरकार द्वारा प्रस्तावित एक संशोधन।

मराठा आरक्षण के लिए पचास प्रतिशत की सीमा में ढील देने का केंद्र सरकार को प्रस्ताव

भारत के संविधान में ५० प्रतिशत आरक्षण की सीमा में छूट देकर मराठा समुदाय को आरक्षण देने के लिए केंद्र सरकार से सिफारिश की गई है।

सरकार ईमानदारी से कानून को पुनर्जीवित करने की कोशिश कर रही है।

महाराष्ट्र अकेला प्रदेश नहीं है जिसने ५० फीसदी आरक्षण की सीमा में छूट की मांग की है। महाराष्ट्र समेत अन्य राज्यों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए केंद्र-राज्य व्यवस्था के मुखिया के रुप में भी केंद्र को स्पष्ट भूमिका निभानी चाहिए।

आयोजन :

२९ नवंबर २०१८ को शैक्षणिक प्रवेश प्रक्रिया और सरकारी सेवकों की भर्ती में सामाजिक और शैक्षणिक रुप से पिछड़े वर्गों को आरक्षण देने के लिए एक कानून पारित किया गया था।

घटना सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की संवैधानिक बेंच ५ मई २०२१ को अधिनियम का स्थगन।

सुप्रीम कोर्ट का परिणाम - सामाजिक और शैक्षणिक रुप से पिछड़े वर्ग मराठा समुदाय को शिक्षा और नौकरियों में दिया गया आरक्षण असंवैधानिक है। १०२वें संशोधन के तहत एसईबीसी घोषित करने का अधिकार अब राज्यों के पास नहीं बल्कि केंद्र के पास है।

महाराष्ट्र राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग यानी गायकवाड़ आयोग ने निष्कर्ष निकाला था कि मराठा समुदाय सामाजिक और शैक्षणिक रुप से पिछड़ा हुआ था। हालांकि, उस आयोग की रिपोर्ट को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया था। **क्रमश:**

आषाढ़ी अमावस्या

इस वर्ष शुक्रवार, ९ जुलाई को हलहारिणी अमावस्या मनाई जा रही है। हिन्दू धर्म में आषाढ़ मास में आनेवाली इस अमावस्या का बहुत महत्व माना गया है। किसानों के लिए यह दिन बहुत ही शुभ माना जाता है। किसानों के लिए यह दिन विशेष महत्व रखता है, क्योंकि आषाढ़ मास की इस अमावस्या के समय तक वर्षा ऋतु का आरंभ हो जाता है और धरती भी नम हो जाती है। अत: फसल की बुआई के लिए यह समय अतिउत्तम होता है।

इस दिन किसान विधि-विधान से हल का पूजन करके फसल हरी-भरी बनी रहने के प्रार्थना करते हैं ताकि घर में अन्न-धन की कमी कभी भी महसूस न हो। इस दिन हल पूजन तथा पितृ पूजन का विशेष महत्व है। इस दिन को आषाढ़ी अमावस्या भी कहा जाता है।

इस दिन पितृ निवारण करने के लिए दिन बहुत ही उत्त्म माना गया है, पितृ पूजन से जीवन के समस्त कष्ट दूर होते हैं। इस दिन भूखे प्राणियों को भोजन कराना चाहिए। आषाढ़ी अमावस्या के दिन सुबह स्नानादि से निवृत्त होकर पितृ तर्पण करने के बाद आटे की गोलियां बनाएं बनाकर किसी तालाब या नदी में रह रहे मछलियों को खिलाने से जीवन के कष्ट दूर होते हैं।

पूजा विधि–

१. हलहारिणी अमावस्या के दिन सुबह जल्दी उठ कर ब्रम्हमुहूर्त में किसी पवित्र नदी या तीर्थ में स्नान करें।
२. सूर्य उदय होने के समय भगवान सूर्यदेव को जल का अर्घ्य दें।
३. इस दिन पितृ तर्पण करें। अपने पितरों की आत्मा की शांति के लिए व्रत रखें।
४. आटे की गोलियां बनाएं बनाकर किसी तालाब या नदी में मछलियों अथवा अन्य जीव-जंतुओं को खिलाएं।
५. गरीब या जरुरतमंदों को दान-दक्षिणा दें।
६. ब्राम्हणों को भोजन कराएं तथा दक्षिणा अथवा सीदा दें।

हलहारिणी अमावस्या के शुभ मुहूर्त–

आषाढ़ी/हलहारिणी अमावस्या वर्ष २०२१ में ९ जुलाई, शुक्रवार के दिन है। इस दिन अमावस्या तिथि प्रारंभ- ९ जुलाई को प्रात:काल ५.१६ मिनट पर होगा तथा अमावस्या तिथि शनिवार, १० जुलाई प्रात:काल ६.४६ मिनट पर समाप्त होगी।

जानें हलहारिणी अमावस्या के खास उपाय–

१. अमावस्या के दिन भूखे प्राणियों को भोजन कराने का विशेष महत्व है।
२. अमावस्या की रात्रि अगर आप काले कुत्ते को तेल चुपड़ी रोटी खिलाते हैं और उसी समय वह कुत्ता यह रोटी खा लेता है तो इस उपाय से आपके सभी दुश्मन उसी समय से शांत होना शुरु हो जाएंगे।
३. रुद्राभिषेक, पितृदोष शांति पूजन और शनि उपाय करने से जीवन के सभी कष्ट समाप्त हो जाएंगे।
४. इस दिन काली चींटियों को शकर मिला हुआ आटा खिलाएं। ऐसा करने से आपके पाप-कर्मों का क्षय होगा और पुण्य-कर्म उदय होंगे। यही पुण्य-कर्म आपकी मनोकामना पूर्ति में सहायक होंगे।
५. अमावस्या के दिन सुबह स्नान आदि करने के बाद आटे की गोलियां बनाएं। गोलियां बनाते समय भगवान का नाम लेते रहें। इसके बाद समीप स्थित किसी तालाब या नदी में जाकर ये आटे की गोलियां मछलियों को खिला दें। इस उपाय से आपके जीवन की अनेक परेशानियों का अंत हो सकता है।

अन्य उपाय–

१. इस दिन कालसर्प दोष निवारण हेतु सुबह स्नान के बाद चांदी से निर्मित नाग-नागिन की पूजा करें। सफेद पुष्प के साथ इसे बहते हुए जल में प्रवाहित कर दें। कालसर्प दोष से राहत पाने का ये अचूक उपाय है।
२. बेरोजगार व्यक्ति अगर अमावस्या की रात ये उपाय करें तो निश्चित ही उसे रोजगार प्राप्त होगा। इसके लिए १ नींबू को साफ करके सुबह से ही अपने घर के मंदिर में रख दें। फिर रात के समय इसे ७ बार बेरोजगार व्यक्ति के सिर से उतार लें और ४ बराबर भागों में काट लें। फिर एक चौराहे पर जाकर चारों दिशाओं में इसको फेंक दें। इस उपाय से बेरोजगार व्यक्ति को लाभ की संभावना बनेगी।
३. जिसे कालसर्प दोष हो, उन व्यक्तियों को अमावस्या के दिन किसी अच्छे पंडित से अपने घर में शिवपूजन एवं हवन करवाना चाहिए।
४. शाम के समय घर के ईशान कोण में गाय के घी का दीपक लगाएं। बत्ती में रुई के स्थान पर लाल रंग के धागे का उपयोग करें। साथ ही दीये में थोड़ी-सी केसर भी डाल दें। यह मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने का उपाय है।
५. अमावस्या वाली रात्रि को ५ लाल फूल और ५ जलते हुए दीये को बहती नदी के पानी में छोड़ें। इस उपाय से धन का लाभ प्राप्त होने के प्रबल योग बनेंगे।
६. हलहारिणी अमावस्या के दिन हल पूजन का पूजन करना शुभदायी होता है।

महत्वपूर्ण दिवस

१ – जुलाई : भारतीय स्टेट बैंक का स्थापना दिवस
चिकित्सक दिवस / चार्टर्ड एकाउण्टेंट दिवस
माल और सेवा कर (जीएसटी) दिवस
२ – जुलाई : विश्व खेल पत्रकार दिवस
विश्व यूएफओ दिवस
३ – जुलाई : १९२७-भारत में रेडियो प्रसारण शुरु
अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस
४ – जुलाई : संयुक्त राज्य अमेरिका का स्वतंत्रता दिवस
६ – जुलाई : विश्व जूनोसिक दिवस
अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस
(जुलाई के पहले शनिवार को)
७ – जुलाई : विश्व चॉकलेट दिवस
११ – जुलाई : विश्व जनसंख्या दिवस
१२ – जुलाई : १९९४-हनुमानगढ़ का गठन
मलाला दिवस
१४ – जुलाई : फ्रांस का राष्ट्रीय दिवस
अंतर्राष्ट्रीय शार्क जागरुकता दिवस
१५ – जुलाई : विश्व युवा कौशल दिवस
१७ – जुलाई : अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस
१८ – जुलाई : अन्तर्राष्ट्रीय नेल्सन मंडेला दिवस
१९ – जुलाई : बैंक राष्ट्रीयकरण दिवस
१९९७-करौली का गठन
२० – जुलाई : अंतर्राष्ट्रीय शतरंज दिवस
चन्द्रमा पर मनुष्य के कदम पड़ने की वर्षगांठ
२२ – जुलाई : विश्व मस्तिष्क दिवस
२३ – जुलाई : राष्ट्रीय प्रसारण दिवस
बाल गंगाधर तिलक जयंती
चंद्रशेखर आजाद जयंती
२४ – जुलाई : आयकर दिवस
२६ – जुलाई : कारगिल विजय दिवस
भारत में पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय का स्थापना दिवस
२८ – जुलाई : विश्व हेपेटाइटिस दिवस
विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस
२९ – जुलाई : अन्तर्राष्ट्रीय बाघ दिवस
३० – जुलाई : मानव तस्करी के विरुद्ध विश्व दिवस
१९८७-दुरदर्शन से कार्यक्रमों का प्रसारण शुरु
३१ – जुलाई : मुंशी प्रेमचंद की जयंती
अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस

आवश्यकता है

साप्ताहिक बुलंद गोंदिया के लिये गोंदिया-भंडारा जिले की सभी तहसीलों के लिये संवाददाता, प्रतिनिधी तथा वितरक नियुक्त कराना है। इच्छुक व्यक्ति कार्यालय में आकर संपर्क करें अथवा 7670079009, 9405244668, 9763355727 पर संपर्क करें। – सम्पादक

साप्ताहिक राशिफल

मेष : आपकी शिकायत करने की आदत सही नहीं है। सावधान रहें। करियर संबंधित योजना बनाते हुए अनुभवी व जानकार लोगों से सलाह लेना हितकर रहेगा। अमीर बनने के लालच में चालू स्कीमों में पैसा लगाने से बचें।

वृषभ : काम से जुड़ा दबाव आप पर हावी नहीं होगा। किसी फाइनेंशियल एक्सपर्ट की सलाह पर ही निवेश करें। रुके हुए काम इस सप्ताह शुरु हो सकते हैं। नौकरीपेशा और बिजनेस करने वालों को आसपास के लोगों की मदद मिल सकती है।

मिथुन : लंबे समय से मार्केटिंग फील्ड ज्वॉइन करने का सपना साकार होगा। छुट्टियों पर जाना खर्चे का काम हो सकता है। अपने अतिरिक्त धन का प्रयोग आप काम के विस्तार के लिए कर सकते हैं।

कर्क : कार्यक्षेत्र में दूसरों पर हावी होने के प्रयास आप पर ही भारी पड़ सकता है। अप्रत्याशित आय के स्रोत मिलने के कारण आर्थिक स्थिति में जबरदस्त सुधार होना मुमकिन है। सपनों के राजकुमार या राजकुमारी से मुलाकात होना संभव है। सेहत का ध्यान रखें।

सिंह : करियर की स्थिति चुनौतीपूर्ण बनी रह सकती है। शारिरिक स्वस्थता की मदद से आप हर प्रकार के मानसिक तनाव व दबाव को मात देने में सफल रहेंगे। बिजनेस से जुड़े आपके विचारों पर सफलतापूर्वक अमल करना मुमकिन होगा। यात्रा के सितारे बुलंद हैं।

कन्या : लंबी दूरी की यात्रा में सावधानी बरतनी होगी। घर-परिवार में क्लेश का माहौल बना रह सकता है। प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये उतावलापन दिखाने की जरुरत नहीं। सफलता जरुर मिलेगी। आराम के महत्व को भी समझें।

तुला : मामूली बातों में उलझने से बचेंगे तो जीवन का भरपूर आनंद उठा सकेंगे। निवेश को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरुरत है। नकली मुखौटा पहनने से बचें, खासकर अपनी जीवनसाथी के सामने।

वृश्चिक : आपकी सामाजिक छवि को धक्का पहुंच सकता है। गैरजरुरी सामान की खरिददारी कर सकते हैं। किसी गंभीर बीमारी की समय रहते जांच हो जाने पर इलाज समय पर शुरु हो जाएगा और मुसीबत की घड़ी टल जाएगी।

धनु : व्यवसाय से जुड़े कई सपने साकार होने वाले हैं। नई नौकरी, प्रमोशन या सैलेरी बढ़ने की संभावनाएं हैं। छात्र पॉजिटिव आउटलुक व एनर्जी से ओतप्रोत रहेंगे। गप्पबाजी व अफवाहों से दूर रहें।

मकर : यह सप्ताह मेहमान नवाजी में बीतने वाला है। सॉफ्टवेयर प्रोफेशनलों को अपने सपने साकार करने का मौका मिल सकता है। जो कमर दर्द या जोड़ों के दर्द से परेशान हैं, उन्हें हर्बल ट्रीटमेंट से राहत मिलेगी।

कुंभ : आपकी मेहनत रंग लाएगी। अनअपेक्षित क्षेत्र में भी भाग्य व मेहनत के साथ देने के कारण सफलता सुनिश्चित है। प्रेम संबंध में खुशियां बनी रहेंगी। यात्रा के दौरान परेशानी हो सकती है। गुस्से पर काबू करें।

मीन : आपकी आउट ऑफ द बॉक्स सोच आपको सफलता के रास्ते पर पहुंचाएगी। अनुभवी सहकर्मियों की मदद मिलेगी। सैलेरी भी बढ़ सकती है। लेखकों व पत्रकारों को अपने विचारों पर अमल

जिप व पंस क्षेत्र के इच्छुक उम्मीदवार फिर से जुटे चुनाव प्रचार में

उम्मीदवार कर रहे चुनावी तारीख के घोषणा की प्रतीक्षा

देवेंद्र सेलोकर देवरी – लॉकडाउन में छुट मिलते ही देवरी तहसील के अंतर्गत आने वाली जिला परिषद व पंचायत समिति क्षेत्र के चुनाव के लिए इच्छुक उम्मीदवार नए सिरे से निर्णय लेकर चुनावी प्रचार कार्य में जुट गए हैं। वे अब चुनाव आयोग द्वारा चुनाव की तिथि की घोषणा की प्रतीक्षा कर रहे हैं। गौरतलब है कि गोंदिया जिले की जिला परिषद व पंचायत समिति का कार्यकाल गत वर्ष समाप्त हो चुका है। किंतु कोरोना संक्रमण के चलते चुनावी कार्यक्रम की घोषणा अब तक नहीं हुई है। लेकिन अब लॉकडाउन में छुट मिलते ही इच्छुक उम्मीदवार नए सिरे से चुनावी प्रचार कार्य में जुट चुके हैं। अनेक उम्मीदवारों द्वारा अपना पुनर्वासन भी सुरक्षित किया गया है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गत आरक्षण प्रक्रिया रद्द कर नए सिरे से प्रक्रिया शुरु करने का आदेश चुनाव आयोग व राज्य सरकार को दिए जाने के पश्चात देवरी तहसील की जिला परिषद व पंचायत समिति क्षेत्र के अनेक उम्मीदवारों को निराशा हो गई थी तथा सरकार के आरक्षण नीति का विरोध कर व सर्वोच्च न्यायालय के आदेश का आदेश होने पर उम्मीदवार परिस्थिति से तालमेल जुटाने लग गए थे। लेकिन अब जिला परिषद व पंचायत समिति के क्षेत्र का नए सिरे से आरक्षण घोषित होने की चर्चा गरमाने लगी है। इच्छुक उम्मीदवार अपने-अपने पक्ष के वरिष्ठ नेताओं के दिशा-निर्देश पर फिर से अपने अपने क्षेत्र में जनसंपर्क अभियान में जुट चुके हैं।

आरक्षण में बदलाव को लेकर इच्छुक उम्मीदवार अपने क्षेत्र का कर रहे निरीक्षण

आरक्षण में बदलाव होने की संभावना को लेकर अनेक इच्छुक उम्मीदवार अपने-अपने क्षेत्र का फिर से निरीक्षण कर रहे हैं।

इस दौरान भाजपा नेताओं ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि देवरी तहसील में गत चुनाव में भाजपा ने ५, जिप में २ व १० पंचायत समिति क्षेत्र में से ५ क्षेत्रों में विजय प्राप्त की थी। जिससे आगामी चुनाव में उन्हें फिर से विजयी होने का विश्वास है। भाजपा उम्मीदवारों ने कुछ दिनों रुक कर फिर से अपना चुनाव प्रचार शुरु कर दिया है। वहीं अन्य पक्षों के इच्छुक उम्मीदवारों द्वारा चुनावी कार्यक्रम की घोषणा होने का इंतजार कर रहे हैं।

तहसील में फिर से भाजपा का वर्चस्व – संजय पुराम

पूर्व विधायक संजय पुराम ने आगामी चुनाव के संदर्भ में अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि महाविकास आघाडी सरकार नागरिकों को सिर्फ आश्वासन दे रही है। ना तो किसानों की समस्या हल हुई, ना आम जनता को रोजगार उपलब्ध हुआ, साथ ही किसानों को विद्युत बिलों में राहत भी नहीं दी गयी।

देवरी तहसील में आदिवासी नागरिकों की संख्या अधिक होने व किसानों की संख्या अधिक होने तथा रोजगार के साधन उपलब्ध ना होने से क्षेत्र के नागरिकों को अन्य प्रदेशों में रोजगार के लिए जाना पड़ रहा है। साथ ही तहसील के ग्रामीण क्षेत्रों की स्ट्रीट लाइट के बिलों का भुगतान ना होने से विद्युत विभाग द्वारा कनेक्शन काटे गए हैं। जिससे अनेक ग्राम अंधकारमय हो चुके हैं। फिर भी राज्य की सरकार द्वारा श्रेय लेने का कार्य किया जा रहा है। यदि भाजपा सत्ता में होती तो क्षेत्र के किसानों व नागरिकों के प्रश्नों को निरंतर हल करने का कार्य किया जाता। किंतु आज महाविकास आघाडी सरकार सामान्य जनता व किसानों के प्रश्न हल करने में असफल साबित हो चुकी है। जिसके चलते आगामी जिला परिषद व पंचायत समिति चुनाव में भाजपा का वर्चस्व रहेगा, ऐसा चित्र तहसील की सभी सीटों पर दिखाई दे रहा है।

चिचगढ़-ककोड़ी-भरेगांव जिप क्षेत्र में राकापा की सभा संपन्न

विधायक चंद्रिकापुरे की उपस्थिति में तहसील के अनेक कार्यकर्ताओं का पक्ष में प्रवेश

संवाददाता - देवरी तहसील के अंतर्गत आने वाले चिचगढ़, ककोडी व भरेगांव जिला परिषद क्षेत्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पक्ष की सभा अर्जुनी मोरगांव के विधायक मनोहर चंद्रिकापुरे व पूर्व महाडा अध्यक्ष नरेश महेश्वरी की प्रमुख उपस्थिति में ककोड़ी के समाज मंदिर, चिचगढ़ के देउलगांव दुर्गा, भरेगांव के समाज भवन में आयोजित की गई। जिसमें तीनों जिला परिषद क्षेत्र के पक्ष के पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे। इस अवसर पर विधायक चंद्रिकापुरे ने कहा कि जिले को प्रफुल पटेल जैसा सक्षम नेतृत्व मिला है। कोरोना संक्रमण काल में प्रफुल पटेल द्वारा जिले के नागरिकों के लिए जो कार्य किए गए हैं, वह अन्य कोई नहीं कर सकता। चाहे ऑक्सीजन आपूर्ति व अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी को दूर करना, किसान व कामगार के हितों के कार्य करना तथा निरंतर सामान्य नागरिकों से संपर्क में रहकर कार्य कर रहे हैं। पक्ष का कार्यकर्ता मजबूत होने पर मतदाता तक पक्ष के जनहित के कार्य पहुंचाता है, जिससे पक्ष मजबूत होता है।

इस अवसर पर नरेश महेश्वरी ने अपने संबोधन में कहा कि पक्ष संगठन का मजबूती से कार्य कर प्रत्येक बूथस्तर पर कार्यकर्ता सक्षम होना चाहिए। जिला परिषद व पंचायत समिति चुनाव के संदर्भ में पक्ष के मजबूतीकरण पर चर्चा व मार्गदर्शन किया गया।

इस अवसर पर रमेश ताराम, सी.के. बिसेन, गोपाल तिवारी, भाष्कर धर्मशहारे, योगेश देशमुख, सौ.आरती जांगळे, कु. अश्विनी मेश्राम, हेलन नागपुरे, बबलु पठाण, इन्दल अरकरा, भुपेन्द्र मस्के, राजेश बिझंलेकर, देऊजी घोटे, महादेव श्यामकुंवर, अशोक बारई, महेन्द्र निकोले, प्रमेश बागडेरीया, परेमेश्वर श्यामकुंवर, हिरालाल कतलाम, रोशन परिहार व पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित थे।

इस अवसर पर सौ.आरती जागंड़े राष्ट्रवादी महीला कार्यकर्ता के नेत्रुत्व में चिचगड जिला परिषद क्षेत्र के अनेक युवकों ने पक्ष में प्रवेश किया। कार्यक्रम का संचालन योगेश देशमुख प्रस्तावना बबलु पठान व आभार आरती जांगड़े ने माना।

महाकाल सेवा समिति, स्वास्थ्य विभाग व नगर परिषद ने

संयुक्त रुप से वैक्सीन शिविर आयोजित

गोंदिया – कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए सभी नागरिकों का टीकाकरण आवश्यक है। इसके लिए महाकाल सेवा समिति, स्वास्थ्य विभाग, नगर परिषद एवं पार्षद पंकज यादव के संयुक्त सहयोग से तीसरा वैक्सीनेशन शिविर संस्था अध्यक्ष लोकेश यादव के मार्गदर्शन में नगर परिषद कॉम्पलेक्स, यादव चौक में आयोजित किया गया था। जिसमें परिसर के नागरिकों द्वारा कोवैक्सीन की ५०० डोज का लाभ लिया। उपरोक्त शिविर के आयोजन की सफलता के लिए महाकाल सेवा समिति के सचिव विशालसिंह ठाकुर, पदाधिकारी दीपक सिक्का, शाहरुख पठान, कपिल कुमार, विशाल साहू, निखिल बरबटे, कपिल कुमार, मलिक शेख, मुकेश पाचे आदि ने विशेष सहयोग देकर शिविर को सफल बनाया। कार्यक्रम की सफलता पर संस्था अध्यक्ष लोकेश यादव ने अपने सभी युवा साथियों व मेडिकल टीम का आभार माना।

लायन्स क्लब रॉयल संजीवनी द्वारा महिला डॉक्टर एवं सीए का सत्कार

लायंस क्लब गोंदिया रॉयल संजीवनी द्वारा डॉक्टर डे व सीए डे पर शहर की महिला डॉक्टरों व चार्टर्ड अकाउंटेंट का सत्कार क्लब की ओर से किया गया। जिसमें संजीवनी क्लब की अध्यक्ष ला.सुधा विनोद जैन, सचिव ला.प्रीति राजेश्वर कनोजिया व कोषाध्यक्ष ला.छाया पूरनचंद मेश्राम तीनों महिला पदाधिकारियों द्वारा १ जुलाई को डॉक्टर्स डे तथा सीए डे के उपलक्ष में अपने कार्यकाल की शुरुआत महिला डाक्टर्स और महिला चार्टर्ड अकाउंटेंट्स का सत्कार करके किया गया।

रीजन चेयरपर्सन ला.राजेश्वर कनोजिया, डी.सी. पर्यावरण ला.राजेश कनोजिया, पूर्व अध्यक्ष ला.सविता तुरकर के सुझाव व सहयोग से संजीवनी क्लब की टीम द्वारा डॉ. पूनम जैन, डॉ. अपूर्वा कोलते, डॉ. गरिमा बग्गा, डॉ. गार्गी हेमल शाह व डॉ. शारदा राऊत इन पांच डॉक्टर्स तथा सीए मंजिरी मोदी, सीए गीतिका दादरीवाल, सीए प्रीतिका दादरीवाल, सीए हिना कटियारे, सीए नेहा गोपलानी व सीए रिद्धि पारेख इन छह सीए का सत्कार रीजन चेयरपर्सन ला.राजेश्वर कनोजिया, ला.सविता तुरकर, ला.राकेश तुरकर, ला.दिनेश कनोजिया की उपस्थिति में कोषाध्यक्ष ला.छाया मेश्राम, सचिव ला.प्रीति कनोजिया व अध्यक्ष ला. सुधा जैन द्वारा एक खूबसूरत व यादगार मेमेन्टो देकर किया गया। इस अवसर पर पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर ला. विनोद जैन विशेष रुप से उपस्थित थे। सभी महिला डॉक्टर एवं महिला चार्टर्ड अकाउंटेंट ने लायन्स क्लब गोंदिया रॉयल संजीवनी के उच्च शिक्षित महिलाओं के सम्मान के इस प्रयास की सराहना की है। प्रोजेक्ट चेयरपर्सन ला.दिनेश कनोजिया ने समय पर उपस्थिति के लिए सभी लायन सदस्यों का तथा आतिथ्य के लिए डॉक्टर व सीए के परिवारों का आभार माना।

कोविड में आर्थिक संकटों के बावजूद हमनें गोंदिया के विकास हेतु सरकार से निधि लाने का प्रयास किया - विधायक विनोद अग्रवाल

गोंदिया – मुझे गोंदिया विधानसभा क्षेत्र की जनता ने भरपुर सहयोग और आशीर्वाद देकर डेढ़ वर्ष पूर्व अपना जनप्रतिनिधित्व सौंपा। हमनें १२ माह कोरोना के संकट में जूझते हुए निकाल दिए। वर्तमान में भी हम सब कोरोना के आनेवाले संकट से जूझ रहे है। इस विकट परिस्थितियों में भी हमनें सतत् राज्य सरकार से संपर्क बनाए रखा और अपने जिले व क्षेत्र के विकास हेतु निधि खींच कर लाने हेतु प्रयासरत रहे। उक्त आशय गोंदिया के विधायक विनोद अग्रवाल ने ३६४ लाख रुपयो की निधि से निर्मित रोड़-रास्तों के विविध लोकार्पण व भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान व्यक्त किये।

विधायक विनोद अग्रवाल ने उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा, हमनें १८ माह के कार्यकाल में महाराष्ट्र में सर्वाधिक गोंदिया तहसील में १४ हजार आवास, ब यादी में मंजूर कराएं। ड यादी हेतु २५ हजार और आवास निर्माण हेतु मांग की गई है, साथ ही १५ हजार अन्य लोगों को सपनों का आशियाना देने का हमारा संकल्प है।

कुछ पराजित लोग आज भी भूमिपूजन करने की लत नहीं छोड़ रहे है। जिन लोगो को २७ साल जनता ने मौका दिया, उन्होंने सिर्फ आगे और पीछे से भूमिपूजन करने का कार्य किया, जो आज भी बदस्तूर जारी है। चार-चार बार भूमिपूजन होने के बाद भी रोड़-रास्ते अब तक न बनना, बड़ी शोकांतिका है। आखिर ये सड़के गई कहा.. ??

हमनें वर्षो से मिट्टी डालकर लंबित पड़े पांदन, रास्तों के निर्माण कार्यों का मार्ग प्रशस्त किया। तहसील में ऐसे करीब ७०० पांदन रास्ते हैं, जिसके निर्माण हेतु पहले मुरुमीकरण पश्चात गिट्टीकरण कार्य पूर्ण किये जाने है। जिन तथाकथित भूमिपूजन वालो को ये कार्य अपने समय में करना चाहिए था, वो आज झूठ की राजनीति और नागरिकों में भ्रम फैलाकर श्रेय लूटने का खेल खेलने में मस्त है।

विधायक विनोद अग्रवाल ने कहा, आज १ करोड़ रुपये की ग्राम विकास मंत्रालय से मंजूर निधि व २ करोड़ ६४ लाख रु. की डीपीडीसी निधि अंतगर्त वर्ष २०२० में मंजूर निधि से विकास कार्यों के पूर्ण होने पर लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्य किया जा रहा है। हमनें कोरोना संकट में भी इतने कार्य डेढ़ वर्ष के कार्यकाल में किये, जो तथाकथित लोगो ने कभी नही किये। हमें हर ग्राम को सुजलाम-सुफलाम बनाना है, तथा अंतिम व्यक्ति तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाकर उसे विकास की धरा में लाना है।

विधायक अग्रवाल के हस्ते २५ लाख की लागत से खातिया-आंभोरा मार्ग का भूमिपूजन, २५ लाख की लागत से निर्मित नागरा-चांदनीटोला मार्ग, २४ लाख की लागत से फुलचुर-सेलटैक्स कॉलोनी मार्ग, १० लाख की लागत से वाजपेयी चौक-पिंडकेपार मार्ग, २५ लाख की लागत से मुर्री-ढाकनी मार्ग का लोकार्पण, २५ लाख की लागत से लोधिटोला-ओझीटोला मार्ग का भूमिपूजन, १० लाख लागत से दासगाव खुर्द-दासगाव बुजुर्ग मार्ग का लोकार्पण, २४ लाख लागत से कासा-बिरसोला मार्ग एवं २५ लाख की लागत से बनाथर-नदीघाट तक के मार्ग का लोकार्पण किया गया।

कार्यवक्रमों में कुंदन कटारे, भाऊराव ऊके, धनजंय तुरकर, छत्रपाल तुरकर, मुनेश रहांगडाले, इंदलसिंग राठौर, ज्ञानचंद जमईवार, पूर्व सभापति जिप शैलजा सोनवाने, कमलेश सोनवाने, चेताली नागपुरे, पृथ्वीसिंह नागपुरे, चेतन बहेकार, लखन हरिनखेड़े, सुजित येवले, जीतलाल पाचे, रामराज खरे, विक्की बघेले, परसराम हुमे, छगनलाल माने, ओमप्रकाश भक्तवर्ती, शिवानंद पटले, फिरोज बंसोड़, नागरा सरपंच धनलाल नागपुरे, मुकेश वंशपाल, पूर्व जीप सदस्य कमलेश्वरी लिल्हारे, टीटूलाल लिल्हारे, नागरा उपसरपंच नरेश नागरिकर, घनश्याम लिल्हारे, महेश पगरवार, पन्नालाल मचाडे, मेहतर पगरवार, नितिन कुंडभरे, मदनलाल चिखलोंडे, बबलू चिखलोंडे, धनेंद्र धुर्वे महाराज, चुन्नीभाऊ लिल्हारे, मुलचंद बहेकार, खातिया - देवानंद महारवाड़े, रवि बागड़े, शामलाल फुंडे, ललित तावाड़े, योगेंद्र बिसेन, अर्जुन तावाड़े, मनोज नयकाने, विजेंद्र मेश्राम, श्रीराम फुंडे, शालिकराम हरिनखेड़े, भूमेश्वर फुंडे, श्रीराम जनवार, नूतन बहेकार, सुभाष शिवनकर, फुलचुर टोला - सरपंच कोमल धोटे, उपसरपंच दिनेश चित्रे, सुभान रहांगडाले, श्याम कावड़े, रवि बोधानी, दिलीप खंडेलवाल, आकाश प्रधान, सौ. इंदिरा कटरे, भारती गावंडे, सोनल जीवनजा, प्रदीप दहिकर, रोहित अग्रवाल, अजित टेंभरे, मुर्री से पिंडकेपार सरपंच सुधीर चन्द्रिकापुरे, दिनेश तुरकर, राजेश कोल्हे, उपसरपंच दिनेश मेश्राम, शालिक रक्षे, नंदा वढ़िवा, अरुना गणवीर, ढोमलेताई, रिनाइत ताई, बाबूलाल गौतम, बारकु गौतम, रोशन गजभिये, प्रेमलाल रहांगडाले, शिवाजी सोनवाने, राजू रहांगडाले, बेदीबाई, महेश मेश्राम, नितेश गड़पायेले, बनाथर के - छगन माने, ओमप्रकाश भक्तवर्ती, बनाथर सरपंच गुलाब नागदिवे, उपसरपंच फागुलाल नागफासे, पूर्व पुलिस पटेल अशोक पाचे, मुन्नालाल पाचे, मुकेश कावरे, क्रुसिलाल कुंभलवार, मेहजलाल बारापात्रे, सुकचन्द दिवेवार, मिलिंद भालाधरे, प्रेमलाल दिवेवार, दिलीप माने, गुप्ता राजेश मात्रे, गज्जू खरे, पप्पू रामटेके, बैगाजी कावरे, भास्कर नागदिवे, भोजराज देशकर, लक्ष्मण बारापात्रे, प्रकाश चौहान, दासगाव खुर्द से सुखलाल बोपचे, जागेश्वर वैद्य, दीपक गौतम, सचिन बडगुजर, डुगलाल दुधभरे, घासीलाल कटरे, नीलकंठ रहांगडाले, आरजू डोंगरे, बालु डोंगरे, संदेश चौरे, श्यामलाल कुथिर, योगेश निखाड़े, चुनेश तुरकर, चेतन नेवारे, यशोराव रहांगडाले, हिवकलाल रहांगडाले, कासा से अशोक तिवारी, सुरपत खैरवार, केशव नागफासे, गीता पाचे, भारत जामरे, सुनील मेश्राम, रीना केवट, चमरु माने, लखु माने, दिलीप माने, गोधन पाचे, रमेश कावरे, रामसाय जमरे, धीरजलाल जमरे, फंदेलाल खैरवार, छविलाल माने, ब्रिजलाल जमरे, नंदलाल माने, भोजू चौधरी, संदीप केवट, तुलसीराम मडावी, शिवप्रसाद पाचे, बारेलाल माने आदि सहित अनेक ग्रामों के नागरिक उपस्थित रहे।

जमाकुडोवासियों को पानी की समस्या से मिलेगा छुटकारा

संवाददाता दरेकसा – गोंदिया जिले के आदिवासी दुर्गम क्षेत्र दरेकसा के जमाकुडो के वार्ड क्रमांक २ व ३ में पेयजल की समस्या गंभीर बनी हुई थी। जिसे देखते हुए ग्राम पंचायत द्वारा जल जीवन योजना के अंतर्गत व १५ वें वित्त आयोग के तहत व्यक्तिगत नल कनेक्शन जोड़ना व सुधारात्मक पुन: जोड़नी व विस्तारीकरण के तहत काम शुरु किया गया है। जिसका शुभारंभ ग्राम की सरपंच सरस्वता रहीले के हस्ते किया गया। इस अवसर पर ग्राम के नागरिक शंकरलाल मडावी, मनोज विश्वकर्मा, रमेश वाढवे, राजेश ब्राम्हणकर, सदाराम ठाकरे, महेश ऊईके, विनोद सोनवाने, परसराम फुंडे व ग्राम के नागरिक उपस्थित थे।

विधायक रामदास आबंटकर के जन्मदिवस पर पौधारोपण

संवाददाता गोंदिया - विधान परिषद सदस्य डॉ. रामदास आंबटकर के जन्मदिवस के अवसर पर शिवम ले-आउट व गार्डन परिसर में शिवम ले-आउट परिसर निवासियों व गोंदिया हिरवल बहुउद्देशीय संस्था की ओर से पौधारोपण कर जन्मदिवस मनाते हुए विधायक आबंटकर को शुभकामना दी गई। उपरोक्त कार्यक्रम के अवसर पर रमेशचंद्र भूते, नीलाजी डहारे, एड्. वसंत चुटे, पारधी सर,वाघमारे, प्रदीपसिंह ठाकुर, वैष्णवी चुटे, मंदा चुटे, हिरवल बहुउद्देशीय संस्था की ओर से रुपेश निंबारते, स्वप्निल ढबाले, विक्की सहारे, पंकज नंदनवार, रजत चतुर्वेदी, वरद चुटे ,बाडू जरोदे ने सहभाग किया।

बदनामी क्यों करते हो कहकर बुजुर्ग की बेदम पिटाई कर की हत्या

संवाददाता - आमगांव पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम पाऊलदौना निवासी मृतक राधेश्याम चंदूलाल पारधी (६४) की आरोपी द्वारा बदनामी क्यों करते हो, इस कारण के चलते बेदम पिटाई कर हत्या कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक बुजुर्ग जब घर पर अकेला था, तो आरोपी द्वारा उसके घर पर पहुंचकर उस पर उसकी बदनामी करने का आरोप लगाते हुए उसके पेट पर लात घुसों से प्रहार कर जख्मी कर दिया था। जिससे पेट में खून का रिसाव होने से उसकी मौत हो गई थी। इस मामले में प्राथमिक तौर पर पुलिस द्वारा जाफो १७४ के तहत मामला दर्ज किया तथा जांच शुरु की। जांच में आरोपी द्वारा मृतक के साथ मारपीट किए जाने के चलते मौत हुई, इसका खुलासा होने पर उसके खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया।

एट्रोसिटी के आरोपी नप कर्मचारी को बचाने का प्रयास

सीसीटीवी फुटेज गायब

६ महीने से प्रकरण प्रलंबित पुलिस की भूमिका संदेहास्पद

संवाददाता – तिरोडा नगर परिषद में ६ माह पूर्व आवास योजना के लाभार्थी के कर्मचारी को बचाने के लिए सीसीटीवी फुटेज गायब किए गए तथा ६ महीनों से मामला प्रलंबित होने से तिरोड़ा पुलिस की भूमिका पर भी सवालिया निशान उठना शुरु हो गए हैं।

गौरतलब है कि तिरोड़ा शहर के जाकिर हुसैन वार्ड निवासी मुकेश राऊत के भाई दिनेश राऊत को रमाई आवास योजना के अंतर्गत घरकुल मंजूर हुआ था। जिसका निर्माण कार्य शुरु होने तथा कार्य पूर्ण होने पर निधि कब मिलेंगे इस संदर्भ में पूछताछ के लिए मुकेश राऊत १४ दिसंबर २०२० को नगर परिषद कार्यालय तिरोड़ा गया था। जिसे सही जानकारी ना देने के साथ ही नगर परिषद कर्मचारी शाहरुख पठान द्वारा अभद्र व्यवहार कर उसके साथ मारपीट कर जातिवाचक गालीगलौज की थी।

उल्लेखनीय है कि आवास योजना का कार्य पूरा होने पर शाहरुख पठान द्वारा निधि निकालने के नाम पर पैसे की मांग किए जाने का आरोप मुकेश राऊत द्वारा लगाया गया है। पैसे देने से मना किए जाने पर जातिवाचक गालीगलौज कर मारपीट की। विशेष यह है कि उपरोक्त घटना नगर परिषद के सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई थी तथा इस मामले में नियमानुसार १५ दिसंबर को तिरोड़ा पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करवाकर संपूर्ण मामले की जांच कर दोषी कर्मचारी पठान के खिलाफ अनुसूचित जाति जमाती प्रतिबंधक कानून के अनुसार मामला दर्ज करने की विनती की गई थी। लेकिन पुलिस द्वारा उपरोक्त मामले में जानबूझकर कोताही बरती जा रही है।

उपरोक्त प्रकरण मारपीट तथा जातिवाचक गालीगलौज का होने के चलते उपरोक्त मामले की जांच में पुलिस प्रशासन द्वारा ६ महीने की समय अवधि लगा दी है तथा मामले की गंभीरता को देखते हुए नगर परिषद के कर्मचारियों द्वारा सीसीटीवी कैमरे के फुटेज गायब किए गए। इस प्रकार का मामला पुलिस जांच में सामने आया है।

सत्ता पक्ष पर सवालिया निशान

मारपीट व जातिवाचक गाली-गलौज के प्रकरण में नगर परिषद के सीसीटीवी फुटेज गायब किए जाने पर नप में सत्ता पर काबिज भाजपा की कार्यप्रणाली पर भी प्रश्नचिन्ह निर्माण हो गया है। पुलिस विभाग द्वारा इस मामले की कड़ाई से जांच कर सीसीटीवी फुटेज गायब करने वालों पर भी कार्रवाई की जाए तथा आरोपी नप कर्मचारी शाहरुख पठान पर एट्रासिटी एक्ट के अनुसार मामला दर्ज किया जाए। ऐसी मांग मुकेश राऊत तथा समाजबंधुओं द्वारा की गई है। यदि जल्द से जल्द मामला दर्ज नहीं हुआ तो आंदोलन की चेतावनी दी गई है।

गहेलाटोला से घोटी के डामरीकरण मार्ग का निर्माण घटिया स्तर का

बापू संगठन ने की ठेकेदार पर कार्रवाई की मांग

संवाददाता गोरेगांव – गोरेगांव तहसील के अंतर्गत आने वाले गहेलाटोला से घोटी की ओर जाने वाला डामरीकरण मार्ग जिला वार्षिक योजना ३०५४ के अंतर्गत २० लाख रुपए की लागत से किया गया। लेकिन उपरोक्त मार्ग का निर्माण घटिया स्तर का होने तथा निर्माण कार्य में सामग्री निम्न दर्जे की इस्तेमाल करने से निर्माण होते ही मार्ग उखड़ने लगा है। इस संदर्भ में अखिल भारतीय बापू युवा संगठन द्वारा ठेकेदार व संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है। कार्रवाई ना होने पर आमरण अनशन किए जाने की चेतावनी दी।

गौरतलब है कि गोंदिया जिला परिषद के अंतर्गत जिला वार्षिक योजना ३०५४ ग्रामीण मार्ग वर्ष २०१९-२० के तहत गोरेगांव तहसील के अंतर्गत आने वाले गहेलाटोला से घोटी तक का मार्ग का डामरीकरण २० लाख रुपए की लागत से किया गया। लेकिन मार्ग के निर्माण में घटिया स्तर की सामग्री व डामर की मात्रा काफी कम उपयोग में लाए जाने से निर्माण होते ही मार्ग उखड़ने लगा है। साथ ही उपरोक्त मार्ग से वाहन गुजरते समय रास्ते की गिट्टी उखड़ने लगी है। उपरोक्त कार्य कार्यकारी अभियंता जिला परिषद बांधकाम विभाग के तहत किया गया। लेकिन मार्ग के निर्माण के समय संबंधित अधिकारियों द्वारा ध्यान नहीं दिए जाने से ठेकेदार द्वारा मार्ग के निर्माण में घटिया मटेरियल इस्तेमाल किया गया। जिससे विभाग के अधिकारियों व ठेकेदार की मिलीभगत साफ उजागर हो रही है। इस तरह की चर्चा उपरोक्त क्षेत्र के ग्रामीण नागरिकों में चल रही है। ग्रामीण क्षेत्र के इस डामरीकरण मार्ग का निर्माण कार्य घटिया दर्जे का किए जाने के चलते मार्ग से गुजरने वाले नागरिक व परिसर के नागरिकों में रोष निर्माण हो रहा है। जिससे ठेकेदार व संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई करने की मांग की है ।

इस संदर्भ में अखिल भारतीय बापू युवा संघटना के देवेंद्र दमाहे व सुरेश साठवणे ने वरिष्ठ अधिकारियों से उपरोक्त निर्माण कार्य फिर से करवाया जाए तथा संबंधित दोषी ठेकेदार व अधिकारियों पर शासन के नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाए अन्यथा वे आमरण अनशन के लिए बाध्य होंगे।

सालेकसा के मुरकुडोह कैंप में पुलिस अधीक्षक के हस्ते विद्यार्थियों को साइकिल वितरित

गोंदिया जिले के सालेकसा तहसील के अंतर्गत आने वाले आदिवासी दुर्गम क्षेत्र मुरकुडोह के बेस कैंप में जरुरतमंद शालेय विद्यार्थियों को जिला पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे के हस्ते साइकिलों का वितरण किया गया।

गौरतलब है कि जिला पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे, अपर पुलिस अधीक्षक अशोक बनकर की संकल्पना के अनुसार कम्युनिटी पुलिसिंग के तहत जिले के नक्सलग्रस्त दुर्गम क्षेत्रों में विभिन्न सामाजिक उपक्रम चलाए जा रहे हैं। जिससे क्षेत्र के नागरिकों का पुलिस प्रशासन के प्रति विश्वास निर्माण हो। इसी के तहत सालेकसा पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले नक्षलग्रस्त अतिदुर्गम क्षेत्र मुरकुडोह में शालेय विद्यार्थियों, जिन्हें घर से शिक्षा प्राप्त करने के लिए लंबी दूरी की शाला तक जाना होता है तथा उन्हें परेशानी ना हो

तथा उनका शिक्षण पूर्ण हो इसीके चलते क्षेत्र की ७ विद्यार्थियों को जिला पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे के हस्ते साइकिलों का वितरण किया गया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य के लिए मार्गदर्शन कर शुभकामना दी।

उपरोक्त कार्यक्रम मुरकुडोह ग्राम के वरिष्ठ नागरिकों की उपस्थिति में संपन्न किया गया। कार्यक्रम अपर पुलिस अधीक्षक अशोक बनकर, उपविभागीय पुलिस अधिकारी जालींदर नालुकुल, देवरी आमगांव मार्गदर्शन में पुलिस निरीक्षक सालेकसा प्रमोद बघेले तथा बेस कैंप मुरकुडोह के प्रभारी अधिकारी सपोनी दिनेश बागुल, पुलिस उपनिरीक्षक उल्लेवार, पोउपनि संजय नाग, छत्तीसगढ़ पुलिस, पोउपनि मोहित करोलिया, पोउपनि भगतसिंह मडावी, पोउपनि मुव्हेल धनसिंह मप्र पुलिस, पोउपनि सानम राज्य सुरक्षित पुलिस बल गट क्रमांक ९ व अन्य अधिकारियों व पुलिस अमलदारो द्वारा सफलतापूर्वक पूर्ण किया।

उपरोक्त कार्यक्रम में कोरोना संक्रमण बचाव के नियमों का पालन जिसमें मास्क, सोशल डिस्टेंसिंग का कड़ाई से पालन किया गया।

अनाथ बच्चों की जानकारी प्रकाशित करने पर होगी कार्वाई

संवाददाता – गोंदिया बाल न्याय बच्चों का संगोपन व संरक्षण अधिनियम २०१५ की कलम ७४ के अनुसार समाचारपत्र, मासिकपत्र अथवा किसी भी प्रकार के प्रसार माध्यम व वाट्सएप्प, फेसबुक, इंस्टाग्राम आदि में अनाथ बच्चों व जिन्हें संरक्षण की आवश्यकता है, ऐसे बच्चों की फोटो, नाम, पता, स्कूल व अन्य किसी भी प्रकार की जानकारी जिससे उपरोक्त बालक की पहचान हो सकती है। इस प्रकार की जानकारी प्रकाशित करने पर बाल न्याय संगोपन व संरक्षण अधिनियम २०१५ की धारा ७४ के अनुसार दंडनीय अपराध है।

गौरतलब है कि अनाथ व संरक्षण की आवश्यकता होने वाले नाबालिक बच्चों की जानकारी का प्रसार किए जाने पर असामाजिक तत्व अथवा अवैध तरीके से बच्चों की तस्करी, अनाधिकृत दत्तक प्रक्रिया, गुप्त धन तलाशने वाली टोली, जादू-टोना आदि गलत इरादों से कार्य करने वाले लोग नरबलि आदि के लिए इस प्रकार के बच्चे, जिन्हें संरक्षण की आवश्यकता होती है, यह उन लोगों के लिए एक सरल लक्ष्य होते हैं। जिससे उन्हें एक अवसर प्राप्त हो जाता है।

इसलिए सभी प्रकार के प्रसार माध्यम, दानदाता, मददगार द्वारा सहायता करते समय अपनी फोटो बच्चों के साथ निकाल कर उसे प्रसारित न करें, इसकी विशेष दक्षता लें। यदि इस प्रकार का कृत्य करते हुए कोई पाया जाता है तो उस व्यक्ति को ६ महीने की सजा अथवा २ लाख रुपये तक जुर्माना या दोनों सजा हो सकती है। इस प्रकार के बच्चे पाए जाने पर जिला महिला व बाल विकास अधिकारी, जिला बाल संरक्षण कक्ष, बाल कल्याण समिति गोंदिया के मोबाइल क्रमांक ९८३४८७८५१९, ९७६५२६६७५६ या ८००७१४८५४२ इस नंबर पर जानकारी दें। जिससे इस प्रकार के बालकों की आवश्यकता को देखते हुए उनकी तत्काल मदद व पुनर्वासन किया जा सके। इस प्रकार का आवाहन जिला महिला व बाल विकास अधिकारी तुषार पौनीकर द्वारा किया गया है।

पट्टे पर दी गई जमीन को कब्जा मुक्त करने का निर्णय

गोंदिया – राजस्व एवं वन विभाग द्वारा २ मार्च २०१९ के शासन निर्णय अनुसार नागपुर व अमरावती संभागों में आवासीय वाणिज्य, औद्योगिक उद्देश्यों के लिए पट्टे पर दी गई। नजूल भूमि को नीलामी या अन्य कार्य के लिए फ्री होल्ड (कब्जे दार वर्ग १) की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस स्वीकृति के तहत गोंदिया उपविभाग में कुल २४९५ पट्टे हैं। इसके लिए नजूल की जमीनों को फ्री होल्ड बनाने के लिए समयबद्ध कार्यक्रम की योजना बनाई गई है। जिसमें १ से ८ जुलाई २०२१ तक नजूल भूमि के फ्री होल्ड के लिए नागरिकों से आवेदन स्वीकार करना, ९ से २३ जुलाई २०२१ तक आवेदन के संबंध में संबंधित विभाग की रिपोर्ट मंगाना, २४ जुलाई से ६ अगस्त २०२१ तक संबंधित विभाग से प्राप्त निवेदनों के अनुसार उपविभागीय अधिकारी गोंदिया द्वारा प्रतिवेदन तैयार कर जिलाधिकारी कार्यालय में प्रस्तुत करेंगे यह इस कार्यक्रम की रुपरेखा है। इस प्रकार की जानकारी जिलाधिकारी राजेश खवले द्वारा प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी गई है।

चोरी के तीन मोबाइल सहित एक आरोपी हिरासत में

जीआरपी व आरपीएफ की संयुक्त कार्रवाई

संवाददाता – गोंदिया रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म पर रेलवे सुरक्षा बल व गोंदिया रेलवे पुलिस द्वारा संयुक्त दल तैयार कर गश्त लगाई जा रही थी। इसी दौरान प्लेटफार्म क्रमांक ३ पर गाड़ी क्रमांक ०८४०५ अहमदाबाद-पुरी एक्सप्रेस के आने पर गश्त लगा रहे ऑनड्यूटी सहायक उपनिरीक्षक एस.बी. थापा, प्रधान आरक्षक जी. आर. मडावी द्वारा जानकारी दी गई कि उपरोक्त ट्रेन में एक युवक संदिग्ध अवस्था में दिखाई दे रहा है। जिस पर अधिकारियों व स्टाफ द्वारा संदिग्ध की तलाश शुरु की। इस दौरान ट्रेन नागपुर की ओर रवाना हो गई थी। जिस पर उसे गाड़ी से उतारकर उसका नाम, पता पूछने व ट्रेन में प्रवास करने की जानकारि लिए जाने पर समाधान कारक जवाब नहीं दिया। उसने अपना नाम आकाश राहित मरकाम (१९), पता अटल आवास, बैगा पारा, लखोली, जिला राजनांदगांव बतलाया। जिसकी तलाशी लिए जाने पर उसके पास से तीन विभिन्न कंपनियों के मोबाइल प्राप्त हुए। जिसके संदर्भ में पूछताछ किए जाने पर बताया कि उपरोक्त एक मोबाइल गत ३ महीने

पूर्व ट्रेन में एक यात्री का चोरी किया था तथा दो मोबाइल पुणे-हटिया एक्सप्रेस में चोरी किया है।

उपरोक्त मामले में आरोपी के खिलाफ रेलवे पुलिस में भादवि की धारा ३७९ के तहत मामला दर्ज किया गया। उपरोक्त कार्रवाई पुलिस अधीक्षक एस.एम. राजकुमार, अपर पुलिस अधीक्षक शिंदे मैडम, पुलिस अधीक्षक रेलवे पुलिस एस.वी. शिंदे तथा पंकज चुघ मंडल सुरक्षा आयुक्त आरपीएफ नागपुर के मार्गदर्शन में प्रभारी अधिकारी जीआरपी अनीता खेड़कर के नेतृत्व में निरीक्षक उषा बिसेन, उपनिरीक्षक मयंक मिश्रा, आरपीएफ उपनिरीक्षक प्रवीण भीमटे, जीआरपी प्रधान आरक्षक नासिर खान, ओमप्रकाश सेलौटे, नंदकिशोर नारनवरे, किशोर ईश्वर, विनोद धांडे द्वारा की गई

क्या छोटा गोंदिया, गोविंदपुर, संजय नगर क्षेत्र के लोगों को वैक्सीनेशन की आवश्यकता नहीं!

तहसील आरोग्य अधिकारी कर रहे राजनीतिक दबाव में कार्य – मुकेशकुमार मिश्रा

गोंदिया – शासन की ओर से कोरोना जैसी महामारी से जनता को बचाने हेतु युद्धस्तर पर टीकाकरण के कार्यक्रम का आयोजन संपूर्ण गोंदिया जिले में भव्य रुप में किया जा रहा है। किंतु गोंदिया शहर में देखने में यह आ रहा है कि जिला परिषद आरोग्य विभाग के तहसील अधिकारी जिन पर गोंदिया तहसील में टीकाकरण कार्यक्रम की जिम्मेदारी सौंपी गई है, कहीं न कहीं वे अपनी जिम्मेदारी निभाने में राजकीय दबाव तंत्र के चलते और असमर्थन नजर आ रहे हैं।

आवश्यकता है

गौशाला में गौ-सेवा के कार्य करने हेतु अनुभवी व्यक्ति की आवश्यकता है। रहने व खाने की व्यवस्था के साथ ही योग्यतानुसार वेतन दिया जायेगा। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें...

बुलंद गोंदिया कार्यालय
जगन्नाथ मंदिर के पास, गौशाला वार्ड, गोंदिया
मो. : 9405244668, 7670079009
समय : दोपहर 12 से शाम 5 बजे तक

उनके द्वारा आयोजित किए गए टीकाकरण कार्यक्रम को यदि गौर से देखा जाए तो उससे साफ जाहिर होता है, कि वे राजकीय दबाव तंत्र में कार्य करते नजर आ रहे हैं। क्योंकि गोंदिया नगर परिषद के काफी प्रभागों में कुछ बड़े राजनीतिक सत्ता में बैठे दलों के नेताओं के आदेश पर तहसील आरोग्य अधिकारी टीकाकरण के शिविर की रुपरेखा तैयार करते हैं। सत्ता में बैठे नेताओं के ही लोगों को उनके ही क्षेत्र में टीकाकरण शिविर का लाभ ज्यादा से ज्यादा मात्रा में दे कर आने वाले चुनाव में किस तरह से फायदा पहुंचाया जा सकता है। इस बात को ध्यान में रखकर के कार्य किया जा रहा है। ऐसी चर्चा गोंदिया शहर की जनता में व्याप्त है। गोंदिया शहर के छोटा गोंदिया, गोविंदपुर, संजयनगर जो अति पिछड़े क्षेत्र की श्रेणी में आते है। जहां करीब १८ हजार के ऊपर लोग निवास करते हैं। जहां अधिकतर किसान, मजदूर वर्ग निवास करते हैं, जो टीकाकरण करने हेतु अपने क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में जाकर घंटों लाईन में खड़े रहते हैं व प्रतिदिन मजदूरी पर जाने वाले लोग अपनी मजदूरी से भी हाथ धो रहे हैं। किंतु चौरागडे का इस पिछड़े क्षेत्र की जनता को भी टीकाकरण की आवश्यकता है शायद ऐसा नहीं लगता?

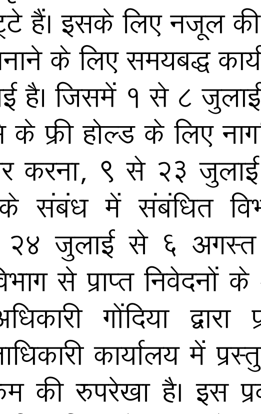

जिस कारण वे क्षेत्र के लोगों के लिए टीकाकरण के शिविर का आयोजन नहीं कर रहे हैं, ऐसा आरोप करते हुए मनसे जिला उपाध्यक्ष मुकेशकुमार मिश्रा ने जिलाधिकारी से शिकायत की है।

मनसे जिला उपाध्यक्ष मुकेश कुमार मिश्रा के द्वारा बार-बार छोटा गोंदिया, गोविंदपुर, संजयनगर की जनता का भी टीकाकरण कर सुरक्षित करें। किंतु बार-बार मांग करने के पश्चात भी चौरागड़े साहब नियम की दुहाई देते हैं और कहते हैं कि मेरे तरफ ग्रामीण क्षेत्र है, अगर आप कहे तो मैं शहर में ध्यान नहीं दूंगा। जिसके पश्चात मनसे के द्वारा गोंदिया के कर्तव्यदक्ष व ईमानदार जिलाधिकारी से उनकी शिकायत कर जल्द से जल्द क्षेत्र की जनता के लिए टीकाकरण शिविर का आयोजन करने की मांग की गई है।

जिसके पश्चात गोंदिया के जिलाधिकारी ने आश्वस्त किया है कि संपूर्ण क्षेत्र की जनता का टीकाकरण किया जाएगा और जल्द ही गोविंदपुर स्कूल में टीकाकरण शिविर का आयोजन भी होगा। साथ ही उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य ही हर व्यक्ति का टीकाकरण करना है, कोई भी व्यक्ति टीकाकरण से छूटे नहीं, यही हमारी पहली प्राथमिकता है।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटिंग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया, ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया ४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित। संपादक : संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र. ९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है ऐसा नहीं है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया।